कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

वर्षः 65 अंकः 06 मुम्बई मई 2021

जागृति

केवीआईसी की नयी परियोजना RE-HAB को एमएसएमई मंत्री ने सराहा

Khadi India

PROJECT
RE-HAB
REDUCING ELEPHANT - HUMAN ATTACKS USING BEES

AN INITIATIVE OF
KHADI & VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION
GOVT. OF INDIA

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष: 65 अंक-6 मुम्बई मई 2021

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष

श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक

एम. राजन बाबू

सह संपादक

स्मिता जी. नायर

उप संपादक

सुबोध कुमार

अ.उप संपादक

शिव दयाल कुशवाहा

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

वरिष्ठ कलाकार

संजय सोमदे

कलाकार

चंद्रशेखर पुनवटकर, दिलीप पालकर

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण

कार्यक्रम निदेशालय द्वारा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग,

ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),

मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित

ईमेल: kvicpub@gmail.com

वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-13

* केवीआईसी की नयी परियोजना RE-HAB को एमएसएमई मंत्री ने सराहा.....
* केवीआईसी को एयर इंडिया से एक बार फिर 4.19 करोड़ रु के 1.10 लाख खादी एमेनिटी किट के आर्डर.....
* तवांग में मिट्टी के बर्तनों के दम तोड़ रही कला को केवीआईसी ने पुनर्जीवित किया
* विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरण कार्यक्रम .....
* आधुनिक विद्युत चालित कुम्हारी चाक के प्रयोग हेतु पारंपरिक कुम्हारों के लिए प्रशिक्षण .....
* गाय के गोबर से निर्मित पेंट किसानों के लिए आय का एक संभावित स्रोत बन रहा है

सोशल मीडिया एवं मीडिया कवरेज.....14-16

हाथियों के साथ होने वाले संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई

केवीआईसी की नयी परियोजना RE-HAB को एमएसएमई मंत्री ने सराहा

हाथियों के नुकसान से प्रभावित सभी राज्यों में यह परियोजना शुरू की जाएगी

माननीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग की अभिनव परियोजना RE-HAB की सराहना की है, जिसने कर्नाटक के कोडागु जिले में चार स्थानों पर हाथी की उपस्थिति को काफी कम कर दिया है।

श्री गडकरी ने कहा कि परियोजना ने कोडागु में हाथियों के मानव रिहायसी क्षेत्र में आवाजाही को रोकने के लिए बहुत उत्साहजनक परिणाम दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट RE-HAB में अत्यधिक संभावनाएं हैं और इसे जल्द ही हाथियों के उत्पात से प्रभावित राज्यों पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों जहां अक्सर हाथी के हमले होते रहते हैं, में पायलेट परियोजना के रूप में शुरू किया जाएगा। उन्होंने देश भर में परियोजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कृषि और पर्यावरण तथा वन मंत्रालयों की भागीदारी पर भी जोर दिया।

प्रोजेक्ट RE-HAB (मधुमक्खियों के प्रयोग से मनुष्यों पर हो रहे -हाथियों के हमलों को कम करने वाला) खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा कर्नाटक के कोडागु जिले के नागरहोल नेशनल पार्क परिक्षेत्र में चार स्थानों पर गत माह लॉन्च किया गया था। जानवरों और मनुष्यों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना, हाथी के साथ हो रहे मानव संघर्ष को रोकने का एक अनूठा व किफ़ायती तरीका है इस परियोजना के तहत, मधुमक्खियों के बक्से को बाड़ के रूप में इस्तेमाल किया जाता है ताकि, हाथियों को मानव बस्ती में प्रवेश करने से रोका जा सके और इस प्रकार जीवन और संपत्तियों के नुकसान को कम किया जा सके। हाथियों का डर है कि मधुमक्खियाँ उनकी आँखों और शरीर के अंदरूनी हिस्सों में अपने डंक चुभा सकती हैं। साथ ही, मधुमक्खियों का झुंड हाथियों को सबसे ज्यादा परेशान करता है।

मधुमक्खी बाड़ ने इन बिंदुओं पर हाथियों की आवाजाही को काफी हद तक कम कर दिया है, जो स्थानीय किसानों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है। इन स्थानों पर स्थापित नाइट विजन कैमरों ने न केवल मानव क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही में तेज गिरावट दिखाई है, बल्कि मधुमक्खी के बक्सों को देखकर हाथियों के व्यवहार के अद्भुत दृश्य भी रेकॉर्ड किए हैं। कई हाथियों को मधु मक्खियों के डर से जंगलों में लौटते देखा गया है। इसके अलावा, इन

क्षेत्रों में हाथियों द्वारा फसलों या संपत्तियों का कोई विनाश नहीं हुआ है क्योंकि मधुमक्खी के बक्से को बाड़ के के तौर पर हाथियों के मार्ग पर रखा गया था।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री सक्सेना ने कहा कि अन्य भारतीय राज्यों में प्रोजेक्ट RE-HAB को लागू करने से मानव और हाथी के संघर्ष में कमी से सैकड़ों जीवन बचेंगे। "केवीआईसी अन्य राज्यों जहां जंगली हाथियों के निरंतर खतरे में एक बड़ी आदिवासी और ग्रामीण आबादी रह रही है, में भी परियोजना के क्रियान्वयन के लिए तैयार है। प्रोजेक्ट RE-HAB के बहु-आयामी लाभ होंगे। श्री सक्सेना ने कहा कि "यह मानव-हाथी संघर्ष को कम करेगा, मधुमक्खी पालन के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि करेगा, जलवायु परिवर्तन के कारकों का पता चलेगा, फॉरेस्ट कवर को पुनर्जीवित करेगा और अपने प्राकृतिक आवासों में जंगली जानवरों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा"।

पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्य, हाथी - मानव संघर्ष क्षेत्र हैं जहां KVIC चरणबद्ध तरीके से प्रोजेक्ट RE-HAB को लागू करने की योजना बना रहा है। 2015 से अब तक देश भर में जंगली हाथियों के साथ संघर्ष में लगभग 2400 लोग मारे गए हैं।

"इस परियोजना के माध्यम से, इन क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय लोगों को मधुमक्खी पालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा और उन्हें मधुमक्खी के बक्से प्रदान किए जाएंगे जो जंगली हाथियों को भगाने के लिए उपयोग किए जाएंगे। श्री सक्सेना ने कहा कि इन पेटियों से उत्पादित शहद उनकी आय में वृद्धि करेगा और साथ ही, मधु मक्खियों को हाथियों को अपने क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोकेगा। "इससे पहले राज्य सरकारों ने हाथियों को मानव क्षेत्रों से दूर रखने के लिए खाइयां खोदने, रेल बाड़ लगाने और नुकीले खंभों को खड़ा करने तथा बिजली के बाड़ और बिजली के तार के पर्दे लगाने जैसे कई उपाय किए हैं। ये सभी प्रयास न केवल विफल रहे बल्कि सबसे दुखद तरीके से अधिक हाथियों के मरने पर समाप्त हुए।

पायलट प्रोजेक्ट के चार स्थानों पर हाथियों के आने-जाने का क्रम

01.03.2021-09.03.2021- हाथियों की दैनिक आवाजाही लेकिन मानव क्षेत्रों में प्रवेश नहीं

10.03.2021 - 15.03.2021 - हाथियों की चहल पहल नहीं

16.03.2021 - हाथी के संचलन का पता चला लेकिन मानव क्षेत्र में प्रवेश नहीं

17.03.2021 - 25.03.2021 - हाथियों के संचलन का पता नहीं चला

26.03.2021 - हाथियों के संचलन का पता चला। हाथी मधुमक्खी के बक्से को देखने पर जल्दी वापस लौटते हैं

27.03.2021 - 29.03.2021 - हाथी का संचलन नहीं

30.03.2021 - हाथी के संचलन का पता चला। हाथी मधुमक्खी की उपस्थिति को महसूस करता है और जल्दी से लौट आता है

राज्यवार मनुष्यों की मृत्यु (2014-15 से 2018-19)

राज्य	प. बंगाल	ओडिशा	झारखंड	असम	छत्तीसगढ	कर्नाटक
मृत्यु	403	397	349	332	289	170

केवीआईसी को एयर इंडिया से एक बार फिर 4.19 करोड़ रु. के 1.10 लाख खादी एमेनिटी किट के आर्डर

खादी और ग्रामोद्योग आयोग जिसने प्रीमियम गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के आधार पर अपना ब्रांड बनाया है, ने अपने कार्यकारी और व्यवसायिक अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 4.11 करोड़ रुपये की खादी एमेनिटी किट की आपूर्ति के लिए एयर इंडिया से एक बार फिर ऑर्डर प्राप्त किया है।

एयर इंडिया से नया आपूर्ति आदेश विमानन क्षेत्र को विशेष रूप से कोविड -19 युग में अंतर्राष्ट्रीय संचालन में हो रही मुश्किलों के बावजूद मिला है। एयर इंडिया ने केवीआईसी के साथ अनुबंध को 31 दिसंबर 2021 तक आगे बढ़ा दिया है। यह 2015 के बाद से एयर इंडिया का 6वां ऑर्डर है, जब उसने केवीआईसी को 25,000 एमेनिटी किट के लिए ट्रायल ऑर्डर दिया था। वर्तमान आर्डर की 60 दिनों के भीतर आपूर्ति की जाएगी।

खादी एमेनिटी किट में प्रीमियम हर्बल कॉस्मेटिक उत्पाद जैसे खादी हैंड सैनिटाइजर, खादी मॉइस्चराइजर लोशन, खादी लेमनग्रास, खादी हस्तनिर्मित साबुन, खादी लिप बाम, खादी रोज़ फ़ेस वाश, आवश्यक तेल आदि शामिल हैं। किट को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों द्वारा व्यापक रूप से सराहा गया है और 2015 से केवीआईसी नियमित रूप से एयर इंडिया को आपूर्ति कर रहा है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि एयर इंडिया से पुनः एक बार आर्डर खादी की अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के बीच बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। "कई वर्षों के बाद, एयर इंडिया केवल अपनी उड़ानों में प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल खादी उत्पादों का उपयोग कर रही है। जबकि

इसके प्रथम श्रेणी और व्यापारिक श्रेणी के यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाले हस्तनिर्मित खादी उत्पादों का उपयोग करने के लिए मिलता है; यह खादी कारीगरों के लिए अतिरिक्त रोजगार भी पैदा करता है। 1.10 लाख एमेनिटी किट के लिए नए आदेश से खादी कारीगरों के लिए लगभग 3 लाख मानव घंटे का सृजन होगा। यह वैश्विक स्तर पर जाने वाले स्थानीय उत्पादों का एक आदर्श उदाहरण है, श्री सक्सेना ने कहा, इस आदेश को हासिल करना, कोविड -19 के इस कठिन समय में खादी और ग्रामोद्योग कारीगरों के लिए एक बड़ा वरदान है। उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सतत समर्थन के लिए एयर इंडिया को धन्यवाद दिया।

एयर इंडिया सबसे बड़ी और अग्रणी सरकारी एजेंसियों में से एक है जो खादी उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद कर रही है। हर्बल सौंदर्य प्रसाधनों के अलावा, एयर इंडिया अपने वीवीआईपी उड़ानों में विशेष रूप से डिजाइन की गई यूनिफ़ोर्म के लिए प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल खादी वस्त्र का उपयोग कर रही है, ऐसी VVIP उड़ानें जो अंतरराष्ट्रीय दौरे पर प्रधानमंत्री को ले जाती हैं।

केवीआईसी को एयर इंडिया के बड़े आर्डर

दिसंबर 2015 - 25,000 एमेनिटी किट की आपूर्ति के लिए 1.21 करोड़ रुपये का परीक्षण ऑर्डर

मार्च 2016 - माननीय प्रधान मंत्री की उड़ान के लिए महिला केबिन क्रू हेतु 150 सिल्क साड़ियों और पुरुष केबिन क्रू के लिए 25 जोधपुरी बन्धुगाला कोट, 40 पतलून और 40 जैकेट की आपूर्ति का आदेश।

जून 2016 - 1.85 लाख एमेनिटी किट के लिए 8 करोड़ रुपये के रेपीट ऑर्डर

सितंबर 2016 - 45 लाख रुपये के 5.75 लाख खादी साबुन के केक का ऑर्डर

2017-18 - 6.53 करोड़ रुपये की अमीनिटी किट की आपूर्ति का ऑर्डर

2018-19 - 7.50 करोड़ रुपये की अमीनिटी किट की आपूर्ति का ऑर्डर

2019-20 - 6.42 करोड़ रुपये की अमीनिटी किट की आपूर्ति का ऑर्डर

2020-21 - 2.42 करोड़ रुपये की एमेनिटी किट की आपूर्ति का ऑर्डर

तवांग में मिट्टी के बर्तनों की दम तोड़ रही कला को केवीआईसी ने पुनर्जीवित किया

एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मिट्टी के बर्तन बनाने की पुरातन कला को पुनर्जीवित करने की पहल की है, जो अरुणाचल प्रदेश के तवांग के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में विलुप्त होने के कगार पर थी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पहली बार, कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत तवांग में 10 युवा कुम्हारों के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है, जो कि केवीआईसी की एक प्रमुख योजना है, यह योजना सीमांत म्हार समुदाय को सशक्त बनाने और मिट्टी के बर्तनों की प्राचीन कला को पुनर्जीवित करने के लिए है। प्रशिक्षण पूरा होने पर, कुम्हारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक और अन्य उपकरण जैसे ब्लोअर मशीन और पग मिल दिए जाएंगे जो उनके लिए स्थायी आजीविका का निर्माण करेंगे।

तवांग में स्थानीय मोनपाओं का मिट्टी के बर्तन बनाने का एक समृद्ध इतिहास है। हालांकि, मिट्टी के बर्तनों में लगने वाले अत्यधिक कठिन परिश्रम के कारण और बाजार से मिलने वाले सहयोग में कमी के कारण इस कला में बहुत तेजी से गिरावट आई और तवांग में युसुम गाँव का लाम टसरिंग, जो एक पारंपरिक कुम्हार का गाँव था पारंपरिक कुम्हार समुदाय केवल एक जीवित सदस्य तक सिमट कर रह गया । प्रशिक्षण लेने वाले 10 कुम्हार एक ही गाँव के हैं। इससे पहले, केवीआईसी ने तवांग में मोनपा हस्तनिर्मित कागज उद्योग को पुनर्जीवित किया था।

तवांग में मिट्टी के बर्तनों के पुनरुद्धार को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना के संज्ञान में उनकी दिसंबर 2020 में तवांग की यात्रा के दौरान लाया गया था। उनकी पहल पर, युवा पारंपरिक कुम्हारों की पहचान की गई और प्राथमिकता पर 3 महीने के रिकॉर्ड समय में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कर उन्हे प्रशिक्षित करने हेतु विद्युत चालित कुम्हारी चाक और अन्य आधुनिक उपकरणों को तवांग भेजा गया। केवीआईसी को तवांग में कठिन भौगोलिक स्थिति और खराब मौसम के कारण एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन केवीआईसी के अधिकारियों एक समर्पित दल ने स्थानीय जिला प्रशासन के साथ समन्वय में प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक शुरू किया।

उन्होंने कहा, “यह पूरे उत्तर पूर्व के लिए एक ऐतिहासिक

शुरुआत है। तवांग को मिट्टी के बर्तनों की समृद्ध विरासत और युवा कुम्हारों को सशक्त बनाने के लिए जाना जाता है, केवीआईसी का उद्देश्य खोई हुई गरिमा को पुनर्स्थापित करना है। तवांग, एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल होने के नाते, स्थानीय कुम्हारों को अपने मिट्टी के उत्पादों के लिए एक व्यापारिक मंच प्रदान करेगा। केवीआईसी अपने विशाल संसाधनों के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के कुम्हारों के लिए विपणन के रास्ते भी तलाशेगा।" प्रशिक्षण कार्यक्रम के पीछे मुख्य उद्देश्य मौजूद सीमांत कुम्हार समुदाय को उनकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना और मिट्टी के बर्तनों की दम तोड़ती कला को पुनर्जीवित करना है, जो माननीय प्रधान मंत्री का सपना है।"

कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत केवीआईसी ने त्रिपुरा, असम और मणिपुर जैसे कई उत्तर पूर्वी राज्यों में बड़े पैमाने पर रोजगार मुहिम शुरू की है, और जल्द ही यह योजना मेघालय में शुरू की जाएगी। कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अब तक लेह-लद्दाख तथा जम्मू और कश्मीर सहित देश भर में लगभग 25,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक का वितरण किया है।

उन्नत उपकरणों ने मिट्टी के बर्तनों को बनाने में लगने वाले कठिन परिश्रम को लगभग समाप्त कर उत्पादन कई गुना बढ़ा दिया है। औसतन, पारंपरिक चाक पर 150-200 कुल्हड़ का दैनिक उत्पादन, विद्युत चालित कुम्हारी चाक का उपयोग करके लगभग 800 कुल्हड़ हो गया है। इसके अलावा, आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके कुम्हारों की औसत मासिक आय में 3 से 4 गुना की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रपति भवन में महज 2 महीने पहले स्थापित 10 मधुमक्खी के बक्सों से निकाली गई 30 किलो उच्च गुणवत्ता की बहु-वनस्पति शहद। राष्ट्रपति भवन में स्थापित बी बॉक्स से 26मार्च, 2021 को शहद निस्सारण कार्यक्रम के दौरान बी हाइव्स को प्रदर्शित करती हुई बहुद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र , खादी और ग्रामोद्योग आयोग,नई दिल्ली की प्राचार्य ।2017 में भारत की "स्वीट क्रान्ति" का शुभारंभ हुआ था .

विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरण कार्यक्रम

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा हाशिए पर पड़े कुम्हार समुदाय को सशक्त बनाने के लिए 10 अप्रेल 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 200 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किए गए। कुम्हार सशक्तीकरण योजना का उद्देश्य कुम्हार समुदाय को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना और मिट्टी के बर्तनों की कला को निर्देशित करके कुम्हार समुदाय का उत्थान करना है।

आधुनिक विद्युत चालित कुम्हारी चाक के प्रयोग हेतु पारंपरिक कुम्हारों के लिए प्रशिक्षण

तवांग , 9 अप्रैल: पूर्वोत्तर क्षेत्र खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा तवांग जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत 10 दिवसीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला उद्योग केंद्र में संपन्न हुआ।

9 अप्रैल 2021 : कुम्हारी कला को अरुणाचल के तवांग की ऊंची पहाड़ियों में जीवन की एक नई संजीवनी मिली । केवीआईसी ने हाल ही में इस विरासत को पुनर्जीवित करने का वादा किया था । 10 युवा कुम्हारों ने 10 दिन का प्रशिक्षण पूरा किया और उन्हे विद्युत चालित कुम्हारी चाक प्रदान किए गए। उन्होंने कुम्हारी कार्य को अपनी आजीविका के रूप में अपनाया है।

गुवाहाटी, असम में स्थित आयोग के उत्तर पूर्व ज़ोन द्वारा उपलब्ध कराए गए आधुनिक विद्युत चालित कुम्हारी चाक और एक ब्लॉन्जर मशीन का उपयोग करने के लिए जिले के दस पारंपरिक कुम्हारों को प्रशिक्षित किया गया।

समापन समारोह के दौरान, तवांग जिला कलेक्टर सांग फुंटसोक ने प्रशिक्षुओं को एक ब्लॉन्जर मशीन के साथ मुफ्त आधुनिक विद्युत चालित कुम्हारी चाक सौंपे।

केवीआईसी उत्तर पूर्व ज़ोन के सहायक निदेशक एस. एन. अस्थाना ने कहा कि केवीआईसी पिछले कई वर्षों से पूरे भारत में पारंपरिक कारीगरों के कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। " केवीआईसी पारंपरिक कारीगरों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण देकर ग्राम उद्योगों की सदियों पुरानी परंपरा को पुनर्जीवित करने में सहायता करता है , और पारंपरिक कारीगरों को अपनी आय बढ़ाने का अवसर प्रदान करने के साथ ही साथ परंपरा को संरक्षित करता है।"

जिला कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा, "मिट्टी के बर्तन मोनपा परंपरा और संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। हम पुराने समय से ही इसे बनाते और इस्तेमाल करते रहे हैं, लेकिन अन्य धातुओं से बने बर्तनों की आसान उपलब्धता के कारण यह परंपरा विलुप्त होने के कगार पर थी। " उन्होंने कहा कि, प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूरा होने के साथ, पारंपरिक समारोह सदियों पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे।

श्री फुंटसोक ने उद्योग, कपड़ा और हथकरघा विभाग को केवीआईसी के साथ सहयोग करने और पारंपरिक वुडक्राफ्ट, थानका पेंटिंग "और मूर्ति बनाने के पारंपरिक मिट्टी के शिल्प पर कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करने निर्देशित किया।"

सराहनीय पहल

उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती के.पी.ललिथामणी द्वारा राज्य कार्यालय केवीआईसी त्रिवेंद्रम में कोविड-19 परीक्षण अभियान का उद्घाटन किया गया।

केवीआईसी वादा करता है और उसे उसे निभाता है

अरुणाचल के तवांग में मोनपा हस्तनिर्मित कागज और मिट्टी के बर्तनों की कला को पुनर्जीवित करने के बाद, केवीआईसी अब मृतप्राय लकड़ी की शिल्प कला को पुनर्जीवित कर रहा है। तवांग के 20 कारीगरों के लिए टर्न वुड शिल्प पर 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कल शुरू किया गया ।

Khadi India
Prakritik Paint
(INDIA'S FIRST COW DUNG PAINT)

गाय के गोबर से निर्मित पेंट किसानों के लिए आय का एक संभावित स्रोत बन रहा है

भविष्य में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई आर्थिक मोर्चों पर सृजनात्मक कार्रवाई की आवश्यकता होगी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) पशुपालकों के लिए अतिरिक्त आय का एक स्थिर स्रोत प्रदान करने के लिए गोबर से बने खादी प्राकृतिक 'पेंट की ज़मीनी तकनीक का प्रयोग किया है। पर्यावरण के अनुकूल, गैर विषैले, बिना गंध वाला उत्पाद, जिसमें एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण हैं, एक किसान को एक गाय से प्रति वर्ष 30,000 रुपये अतिरिक्त कमाने में मदद करेगा ।

नोएडा के सेक्टर 135 में रहने वाली एक महिला अनुपमा ने बताया कि वे चार गायों और दो भैंसों की मालिक हैं। वे और उनका परिवार गाय के गोबर को 'उपले ', लगभग गोल आकार के एक सूखे ईंधन का रूप देते हैं, और खाना पकाने के ईंधन के रूप में इन ऊपलों के घरेलू उपयोग के बाद अतिरिक्त ऊपलों को बेच कर 70 से 100 रुपये प्रतिदिन कमाती हैं। हालांकि, ऊपलों के लिए अस्थिर बाजार के कारण आय अर्जन स्थिति सुसंगत नहीं है।

वे बताती हैं कि, जयपुर के बाहरी इलाके में कुछ किसान परिवारों से यह सीखा जा सकता है, जो अब नियमित रूप गाय का गोबर बेच कर प्रति किलो 5 रुपये कमाते हैं। इस गाय के गोबर का उपयोग केवीआईसी द्वारा विकसित तकनीक से सफेद पेंट, इमल्शन और डिस्टेंपर जैसे उत्पादन

अहिंसा के सिद्धांत के अलावा, गाय की व्यावसायिक उपयोगिता ने कई संस्कृतियों में अपनी उच्च धार्मिक स्थिति और सम्मान को जोड़ा है। धार्मिक विचारों से इतर, गाय को पालने के और भी कारण हैं।

में प्राथमिक कच्चे माल के रूप में किया जाता है इसके लिए केवीआईसी को सराहना मिलनी चाहिए । खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अनुसार, किसान अगले दो वर्षों में 6,000 करोड़ रुपये के अनुमानित आय के साथ कच्चे गोबर को बेचकर 1,000 करोड़ रुपये कमा सकते हैं, जो वर्तमान में काफी हद तक बर्बाद होता आया है। उन्होंने कहा, 'हम ऊपलों के लिए 1 रुपये प्रति पीस चार्ज करते हैं। अनुपमा का दावा है कि एक किलोग्राम गोबर से 5 ऊपले प्राप्त होंगे। श्रम की बचत और सामग्री की स्थिर मांग की संभावनाओं को देखते हुए, उनका मानना है कि गोबर से थोड़ी अधिक दर पर एक स्थिर आय उसके परिवार के लिए फायदेमंद हो सकती है। प्राप्त तकनीकी जानकारी के मुताबिक, 500 लीटर प्राकृतिक पेंट बनाने में 150-170 किलो गोबर लगता है।

माननीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 12 जनवरी 2021 को खादी प्राकृतिक पेंट लॉच किया, जिसके लिए केवीआईसी व्यक्तिगत किसानों जो 4-6 गायों के छोटे किसान फसल पोषण देने के लिए पोषक तत्व के रूप में गोबर का उपयोग करते हैं, यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करके फसल उत्पादन लागत को कम करते हैं, के बजाय जयपुर में एक गौशालाओं से कच्चे माल प्राप्त कर रहा है। । डेयरी फार्म और अन्य बड़े किसान, जो वर्तमान में गाय के गोबर की बिक्री से केवल 300-500 रुपये प्रति ट्रैक्टर कमा पाते थे, केवीआईसी उत्पाद से आर्थिक रूप से और ज़्यादा लाभान्वित होंगे।

हालांकि केवीआईसी वर्तमान में गौशालाओं और छोटे किसानों से प्राप्त गाय के गोबर के लिए केवल 5 रुपये किलो का भुगतान करता है, लेकिन खादी और ग्रामोद्योग आयोग की योजना यह राशि बढ़ाकर 10 रुपये / किलोग्राम तक करने की योजना है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने लॉन्च से लेकर मार्च महीने तक ऑनलाइन और रिटेल आउटलेट्स दोनों के जरिए 6,000 लीटर प्राकृतिक पेंट की बिक्री की है।

केवीआईसी के अनुसार डिस्टेंपर(सफेद) की कीमत 160 रुपये प्रति लीटर है, जबकि इमल्शन की कीमत 290 रुपये प्रति लीटर है।

आयोग के माननीय अध्यक्ष ने बताया कि इन सामानों के विपणन के लिए केवीआईसी ने एक रोडमैप तैयार किया है, जिसमें छोटे व्यवसाय के मालिकों को प्रशिक्षण देने से लेकर वितरकों के नेटवर्क विकसित करने तक सब कुछ शामिल है। श्री सक्सेना ने कहा कि उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए हम परिचालन बढ़ा रहे हैं।'

मार्च माह तक जयपुर में केवीआईसी के एकमात्र उत्पादन संयंत्र की क्षमता 500-लीटर-प्रति-दिन वर्तमान उत्पादन है, हालांकि इसे मई के अंत तक 1,000-लीटर-प्रति-दिन क्षमता में अपग्रेड किया जाना है। आने वाले एक दो माह में, 500 लीटर की क्षमता वाले छह और संयंत्र ओडिशा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में स्थापित किए जाएंगे। केवीआईसी के अनुसार, 60,000 करोड़ रुपये के घरेलू पेंट बाजार में बड़े निवेशक निकट भविष्य में प्राकतिक पेंट तकनीक में निवेश करने पर विचार करेंगे।

20 लाख रुपये के निवेश से प्रति दिन 500 लीटर की क्षमता वाला संयंत्र स्थापित करने की उम्मीद है, जिसे एमएसएमई उद्योग के लिए एक सरकारी योजना के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा। इनमें से प्रत्येक संयंत्र 11 श्रमिकों को सीधे काम दे सकता है। श्री सक्सेना ने कहा कि "प्रौद्योगिकी और 8,600 से अधिक खुदरा खादी आउटलेटों के पैन-इंडिया नेटवर्क पर बिक्री की सुविधा प्रदान करने के लिए, केवीआईसी 1 लाख रुपये का एक मुश्त रॉयल्टी शुल्क ले रहा है," श्री सक्सेना ने कहा कि यह उपकरण अगले दो वर्षों में 3 लाख लोगों को काम देगा ।

Courtesy: Krishi Jagaran

प्रेस कवरेज

online.com/local 2021 ഏപ്രിൽ 4 ഞായർ

മോദിക്ക് മോഹം, ഖാദിയുടെ മനില കുർത്ത ധരിക്കാൻ...

ബിജെപിയുടെ ഐടി സെൽ കൺവീനർ ജയശങ്കറിന്റെ മനില ഷർട്ട് കണ്ട് ഇഷ്ടപ്പെട്ട പ്രധാനമന്ത്രി അടുത്ത കേരള സന്ദർശനത്തിന് മനില കുർത്ത ധരിച്ചാൽ കൊള്ളാമെന്ന് ആഗ്രഹം പ്രകടിപ്പിക്കുകയായിരുന്നു

മലയാള മനോരമ

K'taka's bee weapon for jumbo attack to be adopted nationwide

State News

Training prog on pottery concludes

TAWANG, 9 Apr: The 10-day 'skill upgradation training programme on pottery' under the Kumhar Sashaktikaran Programme, organized by the Northeast zone Khadi & Village Industries Commission (KVIC) in collaboration with the Tawang district administration concluded at the district industries centre here on Friday.

Ten traditional ceramists from the district were trained to use modern electric pottery wheel and a blunger machine provided by the KVIC NE zone, based in Guwahati, Assam.

During the valedictory function, Tawang DC Sang Phuntsok handed over free electric pottery wheels along with one blunger machine to the trainees.

KVIC NE Zone Assistant Director SN Asthana said

नवभारत

उपलब्धि... प्रधानमंत्री रोजगार कार्यक्रम के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

खादी ग्रामोद्योग में बढ़े रोजगार के अवसर

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई. कोविड -19 महामारी के समय आर्थिक हलचल के बावजूद खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने एक साल में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत रोजगार सृजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है. 31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष 2020-21, जो देशव्यापी लॉकडाउन से काफी हद तक प्रभावित था उस दौरान खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पीएमईजीपी के तहत 2188.78 करोड़ रुपए खर्च कर 5,95,320 रोजगारों का सृजन किया, जो वर्ष 2008 में लॉन्च होने के बाद अब तक का उच्चतम स्तर है.

5,95,320 रोजगार का हुआ सृजन

नितिन गडकरी ने जताई खुशी

देश की अर्थव्यवस्था होगी मजबूत

लक्ष्य से अधिक हुआ काम

वर्ष 2020-21 में 2120.81 करोड़ रुपये के लक्ष्य के खिलाफ, केवीआईसी ने 2188.78 करोड़ रु मार्जिन मनी का वितरण किया जो लक्ष्य का 103.2 प्रतिशत है.

केवीआईसी का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन

Mumbai Edition
04-april-2021 Page No. 2
epaper.enavabharat.com

सोशल मीडिया में केवीआईसी

-फेसबुक पर

सोशल मीडिया में केवीआईसी

-इन्स्टाग्राम पर

• Special Day posts •